PAPER-II
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
   (Name) _____
2. (Signature) _____
   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 9 1 1 0

Time : **1 $^{1}/_{4}$** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **Answer Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and OMR Answer sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं । यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
10. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
11. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।
12. गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – II

पण्हपत्तं – II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions. **(50 × 2 = 100 Marks)**

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णास (50)** बहुविकप्पियाणि पण्हाणि होंति । पत्तेगं पण्हं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति । **(50 × 2 = 100 अंका)**

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(50 × 2 = 100 अंक)**

1. The time of Ashokan inscriptions is
असोकस्स सिलालेहाण कालो अत्थि
अशोक के शिलालेखों का काल है
(A) ई.पू. छठी सदी
(B) ई.पू. तीसरी सदी
(C) ई.पू. चौथी सदी
(D) ईसवी सन् तीसरी सदी

2. This statement is correct :
इमं कहणं सच्चमत्थि :
यह कथन सत्य है :
(A) प्राकृत में ऋ, ऐ, औ, अः नहीं होते ।
(B) प्राकृत और संस्कृत एक ही है ।
(C) प्राकृत की उत्पत्ति शंकरजी ने की ।
(D) प्राकृत में ध्वनि-परिवर्तन नहीं होता ।

3. The language of Acharanga-Sutra is :
आयारंगसुत्तस्स भासा इमा अत्थि :
आचारांगसूत्र की भाषा यह है :
(A) शौरसेनी (B) पैशाची
(C) अपभ्रंश (D) अर्धमागधी

4. This is the distinctive mark of Apabhramsha in the nominative singular of 'अ' based :
'अ'कारंत पढमाविहत्ति-एयवयणे अपब्भंस भासाअ इमं चिण्हं अत्थि :
'अ'कारान्त प्रथमा विभक्ति एकवचन अपभ्रंश में यह पहचान-चिह्न है :
(A) अ (B) ई
(C) उ (D) ए

5. Prakrit language belongs to this group of languages :
पाइय-भासा इमं भासा-समुदायत्तो संबद्धो अत्थि :
प्राकृत भाषा इस भाषा-समुदाय से संबद्ध है :
(A) इंडो-आर्यन् (B) सेमेटिक्
(C) हेमेटिक् (D) द्रविडियन्

6. In Prakrit, the dual number is changed into :
पाइय-भासम्हि बीय-वयण-ठाणे इमं होइ :
प्राकृत में द्विवचन के स्थान में यह होता है :
(A) द्विवचन (B) लोप
(C) एकवचन (D) बहुवचन

7. The main source of Modern North-Indian languages is :
आहुणिय उत्तर-भारदीय भासाणं पमुह मूलो इमं भासा अत्थि :
आधुनिक उत्तर-भारतीय भाषाओं का प्रमुख स्रोत यह है :
(A) पालि (B) अपभ्रंश
(C) संस्कृत (D) छांदस्

8. 'सारस' becomes this in Magadhi :
'सारस' सद्दरूवो मगही भासाए इमं होइ :
'सारस' शब्दरूप मागधी में यह होता है :
(A) शालश (B) सारश
(C) सरश (D) सहस

9. The word 'राजा' becomes this in Ardhamagadhi :
'राजा' सद्दस्स अद्धमागही भासाए इमं रुवं होइ :
'राजा' शब्द का अर्धमागधी में यह रूप होता है :
(A) राचा (B) रया
(C) राया (D) रजा

10. The word 'अहं' is changed in Paishachi Prakrit as :
पैशाची-पाइय भासाए 'अहं' सद्दस्स इमं रुवं होइ :
पैशाची प्राकृत में 'अहं' शब्द का यह रूप होता है :
(A) हो (B) अहो
(C) हकं (D) हं

11. The first recitation of Ardhamagadhi cananas was held at :
अद्धमागही आगमाण पढम वायणा-ठाणं इमं अत्थि :
अर्धमागधी आगमों की प्रथम वाचना यहाँ हुई थी :
(A) मथुरा (B) वलभी
(C) वाराणसी (D) पाटलीपुत्र

12. The language of Preachings of Lord Mahavira is :
भगवं महावीरस्स उवदेसाणं भासा इमा अत्थि :
भगवान महावीर के उपदेशों की भाषा यह है :
(A) अर्धमागधी (B) पैशाची
(C) शौरसेनी (D) ओड्री

13. 'Shatkhandagama' is written in this language :
'षट्खंडागम' इमम्मि भासम्मि लिहिदं अत्थि :
'षट्खंडागम' इस भाषा में लिखित है :
(A) महाराष्ट्री (B) मागधी
(C) शौरसेनी (D) अपभ्रंश

14. 'पंचास्तिकाय' was written by
'पंचास्तिकाय'स्स लेहगो अत्थि
'पंचास्तिकाय' के लेखक हैं
(A) नेमिचंद्र (B) कुंदकुंद
(C) शामकुंद (D) धरसेन

15. The author of 'Kashayapahuda' is
'कषायपाहुड' गंथस्स लेहगो अत्थि
'कषायपाहुड' का लेखक है
(A) गुणधर (B) विद्याधर
(C) पुष्पदंत (D) भूतबलि

16. The 'Dhavala' is a commentary on :
'धवला' अस्स गंथस्स टीका अत्थि :
'धवला' इस ग्रंथ की टीका है :
(A) समयसार (B) कषायपाहुड
(C) षट्खंडागम (D) महाबंध

17. Vimalasuri's work is :
विमलसूरिस्स गंथो इमो अत्थि :
विमलसूरि का ग्रंथ यह है :
(A) विमलपुराण (B) पउमचरिउ
(C) पद्मपुराण (D) पउमचरियं

18. The author of 'Kuvalayamala' is
'कुवलयमाला' गंथस्स लेहगो अत्थि
'कुवलयमाला' का लेखक है
(A) हरिभद्रसूरि (B) उद्योतनसूरि
(C) यशोविजयसूरि (D) जयवल्लभसूरि

19. This is the work of Haribhadra-Suri :
इमं हरिभद्र-सूरिस्स गंथो अत्थि :
यह हरिभद्रसूरि का ग्रंथ है :
(A) समराइच्चकहा (B) कंसवहो
(C) उषाणिरुद्धं (D) सेतुबंध

20. Shilanka is the author of :
इमं शीलांकस्स गंथो अत्थि :
यह शीलांक का ग्रंथ है :
(A) णाणपंचमीकहा
(B) धूर्ताख्यान
(C) चउपन्नमहापुरिसचरियं
(D) सुपासणाह-चरियं

21. Rajashekhara is the author of :
राजसेहरो अस्स गंथस्स लेहगो अत्थि :
राजशेखर इस ग्रंथ का लेखक है :
(A) रंभामंजरी (B) कर्पूरमंजरी
(C) शृंगारमंजरी (D) अवंतीसुंदरी

22. This is not a Sattaka :
इमा सट्टगा णत्थि :
यह सट्टक नहीं है :
(A) जंबूचरियं (B) कर्पूरमंजरी
(C) रंभामंजरी (D) अवंतीसुंदरी

23. 'Karpuramanjari' belongs to this form of Prakrit Literature :
'कर्पूरमंजरी' पाइय साहिच्चस्स अस्स विहा-गंथो अत्थि :
'कर्पूरमंजरी' प्राकृत साहित्य की इस विधा का ग्रंथ है :
(A) चंपूकाव्य (B) खंडकाव्य
(C) सट्टक (D) चरितकाव्य

24. Who is the hero of Mṛcchakaṭkam ?
मृच्छकटिकस्स णायगो को ?
मृच्छकटिक का नायक कौन है ?
(A) कृष्ण (B) राम
(C) दुष्यन्त (D) चारुदत्त

25. The time of composition of Karpuramanjari is :
कप्पूरमंजरी इत्तस्स रयणा-कालं इमं अत्थि :
कर्पूरमंजरी का रचना-काल यह है :
(A) ८वीं सदी
(B) १०वीं सदी
(C) १२वीं सदी
(D) १३वीं सदी

26. Name the script of Ashoka's Girnar inscriptions.
असोगस्स गिरनार-सिलालेहाण लिबिस्स णामं लिह.
अशोक के गिरनार-शिलालेखों की लिपि का नाम बताइये ।
(A) ब्राह्मी
(B) खरोष्ठी
(C) शारदा
(D) कुटिल

27. The hero of Hathigumpha inscription is :
हाथीगुंफा-सिलालेहस्स णायगो इमो अत्थि :
हाथीगुंफा-शिलालेख का नायक यह है :
(A) अशोक
(B) सातवाहन
(C) खारवेल
(D) चंद्रगुप्त

28. The number of Girnar rock edicts of Ashoka is :
गिरिणयरे उवलद्ध असोगस्स सिलालेहाण संखा इमा अत्थि :
गिरनार में उपलब्ध अशोक के शिलालेखों की संख्या यह है :
(A) 12
(B) 10
(C) 2
(D) 14

29. The name of the script of Ashokan inscription at Mansehra is :

मानसेहरात्थले उवलद्धं असोग-सिलालेहस्स लिबि इमा अत्थि :

मानसेहरा में उपलब्ध अशोक के शिलालेख की लिपि यह है :

(A) ब्राह्मी

(B) खरोष्ठी

(C) शारदा

(D) कुटिल

30. Hathigumpha inscription is inscribed in this script :

हाथीगुंफा-सिलालेहस्स लिबि इमा अत्थि :

हाथीगुंफा-शिलालेख की लिपि यह है :

(A) ब्राह्मी लिपि

(B) कन्नड़ लिपि

(C) ग्रंथ लिपि

(D) शारदा लिपि

31. Read the Units I and II for correct match :

पढम य बीय खंडाण-विसयं सुट्ठु मेलणत्थं पढ :

प्रथम और द्वितीय इकाइयों को सही मिलान के लिए पढ़िये :

	I		II
(a)	कुंदकुंद	(i)	समराइच्चकहा
(b)	हरिभद्र	(ii)	मूलाराधना
(c)	पुष्पदंत	(iii)	प्रवचनसार
(d)	शिवार्य	(iv)	णायकुमार-चरिउ

Identify the correct match :

सुट्ठु मिलणं णादूण उत्तरं लिह :

सही मिलान की पहचान कीजिये :

(A) (a) + (iii)

(B) (b) + (iv)

(C) (c) + (ii)

(D) (d) + (i)

32. Following are the works of Haribhadra Suri :

हरिभद्रसूरिणो रयणा इमा होंति :

हरिभद्रसूरि की ये रचनायें हैं :

(A) मूलाचार, सावयपण्णती, भगवती आराधना ।

(B) सुरसंदरीकहा, कुवलयमालाकहा, धूर्ताख्यान ।

(C) समराइच्चकहा, समयसार, पउमचरिउ ।

(D) धूर्ताख्यान, षड्दर्शनसमुच्चय, समराइच्चकहा ।

33. The characteristics of soul according to Dravya-Samgraha is :

द्रव्यसंग्रहाणुसारेण जीवस्स लक्खणं इदं अत्थि :

द्रव्यसंग्रह के अनुसार जीव के लक्षण यह है :

(A) अवकाशदान

(B) शब्द

(C) उपयोग

(D) गमनसहकारी

34. Read the Units I and II for correct match :

पढम - बीय खंडाणं सुट्ठु मेलणं पढ :

प्रथम एवं द्वितीय खंडों के सही मिलान के लिए पढ़िये :

	I		II
(a)	रामपाणिवाद	(i)	सेतुबंध
(b)	हाल	(ii)	वज्जालग्गं
(c)	जयवल्लभ	(iii)	कंसवहो
(d)	प्रवरसेन	(iv)	गाहासत्तसई

Write the correct answer :

सुट्ठु उत्तरं लिह :

सही उत्तर लिखिए :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

35. This is a work on prosody in Prakrit :
इमं पाइय छंदस्स गंथो अत्थि :
यह प्राकृत के छंदो का ग्रंथ है :
(A) गाहालक्षण
(B) पाइयलच्छीनाममाला
(C) देशीनाममाला
(D) प्रकृतलक्षण

36. This is not a Prakrit Kosha work :
इदं पाइय-कोस-गंथो णत्थि :
यह प्राकृत-कोश ग्रंथ नहीं है :
(A) पाइयसद्दमहण्णवो
(B) पाइयलच्छीनाममाला
(C) प्राकृतपैंगलं
(D) देसीनाममाला

37. This is the example of 'य-श्रुति' :
इमं 'य-श्रुति' इत्तस्स उदाहरणं अत्थि :
यह 'य-श्रुति' का उदाहरण है :
(A) साअर
(B) णयर
(C) भीअर
(D) जाव

38. The case ending in the word 'चोराओ बीहई' is :
'चोराओ बीहई' उत्तस्स रेहांकित पदे इमं कारकं अत्थि :
'चोराओ बीहई' में रेखांकित पद में यह कारक है :
(A) संप्रदान
(B) कर्म
(C) करण
(D) अपादान

39. This is the example of loss of medial consonant :
मज्झवत्ती वंजण-लोवस्स उदाहरणं इमं अत्थि :
मध्यवर्ती व्यंजन लोप का उदाहरण यह है :
(A) काअ
(B) पाव
(C) एवं
(D) एकं

40. This does not occur in place of ऋ in Prakrit :
पाइय भासम्मि ऋ ठाणे इमं ण होइ :
प्राकृत में ऋ के स्थान में यह नहीं होता :
(A) रि
(B) अ
(C) ऐ
(D) इ

41. This is not an example of anaptyxis :
इमं सरभत्ति इत्तस्स उदाहरण णत्थि :
यह स्वरभक्ति का उदाहरण नहीं है :
(A) गमणं
(B) किलित्तं
(C) सणेहो
(D) रयणं

42. 'जीवमजीवं दव्वं जिणवरवसहेण जेण णिद्दिट्ठं ।'
This part of the gatha is found in :
इमा गाहंसो इमे गंथे अत्थि :
यह गाथांश इस ग्रंथ में है :
(A) उत्तराध्ययनसूत्र
(B) द्रव्यसंग्रह
(C) प्रवचनसार
(D) आचारांग

43. 'लोगविजय' chapter is found in this work :

'लोगविजय' अज्झयणं इमे गंथे अत्थि :

'लोगविजय' अध्ययन इस ग्रंथ में है :

(A) उत्तराध्ययन

(B) सूयगडं

(C) दशवैकालिक

(D) आचारांग

44. 'केशी-गौतम' is the chapter of this work :

'केसी-गोयम' इमस्स गंथस्स एगमज्झयणं अत्थि :

'केशी-गौतम' इस ग्रंथ का एक अध्ययन है :

(A) आचारांग

(B) सन्मतितर्कप्रकरण

(C) उत्तराध्ययन

(D) द्रव्यसंग्रह

45. The author of प्रवचनसार is

पवयणसारस्स लेहगो अत्थि

प्रवचनसार के लेखक है

(A) कुंदकुंद

(B) शामकुंद

(C) शिवार्य

(D) हरिभद्र

46. The name of the first chapter of 'प्रवचनसार' is :

पवयणसारस्स पढमाहियारस्स णामं इमं अत्थि :

'प्रवचनसार' के प्रथम अधिकार का नाम यह है :

(A) ज्ञेयाधिकार

(B) ज्ञानाधिकार

(C) चरित्राधिकार

(D) मूलगुणाधिकार

47. The author of सन्मतितर्कप्रकरण is

सम्मइतक्कपयरणस्स लेहगो अत्थि

सन्मतितर्कप्रकरण का लेखक है

(A) हेमचंद्र

(B) सिद्धसेन

(C) नेमिचंद्र

(D) हरिभद्र

48. The language of Nayakumarachariu is :

णायकुमारचरिउ गंथस्स भासा इमा अत्थि :

णायकुमारचरिउ की भाषा यह है :

(A) महाराष्ट्री

(B) मागधी

(C) शौरसेनी

(D) अपभ्रंश

49. What is the meaning of 'मृच्छकटिक'?

'मृच्छकटिक' सद्दस्स को अत्थो ?

'मृच्छकटिक' का क्या अर्थ है ?

(A) मिट्टी की गाड़ी

(B) मेरी गाड़ी

(C) सोने की गाड़ी

(D) मृत्यु की गाड़ी

50. The other name of 'सेतुबंध' is

'सेतुबंध'स्स अवरणामो अत्थि

'सेतुबंध' का अपरनाम है

(A) गउडवहो

(B) कंसवहो

(C) रावणवहो

(D) सिसुवालवहो

Space For Rough Work